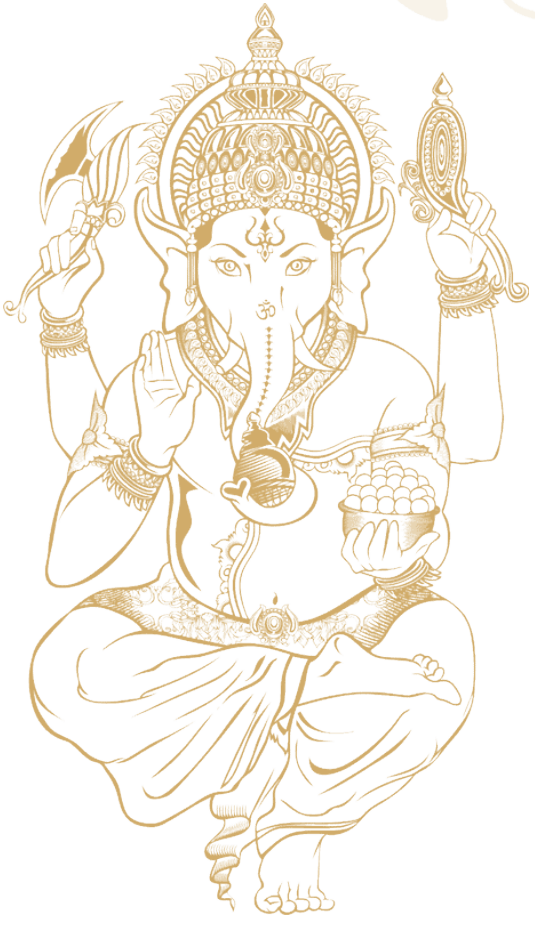

Anurag srivastava

Pragati

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121483301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121483301 Date: 05/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/02/2002	जन्म तिथि	06/09/1998
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 22:41:00	जन्म समय	08:40:00 घंटे
घटी 40:07:04	जन्म समय(घटी)	07:35:00 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Deoria
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:31:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:10	सूर्योदय	05:36:28
17:43:25	सूर्यास्त	18:09:34
23:52:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

तुला	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
धनु	राशि	कुम्भ
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	शतभिषा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	3
वज्र	योग	धृति
तैतिल	करण	बव
भू-भूपेन्द्र	जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
वानर	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 16वर्ष 8मा 7दि		02:35:25	तुला	लग्न	कन्या	29:38:06	राहु 6वर्ष 11मा 16दि	
चन्द्र		25:52:50	मक	सूर्य	सिंह	19:30:10	शनि	
17/10/2024		15:32:29	धनु	चंद्र	कुंभ	14:50:34	23/08/2021	
18/10/2034		21:09:59	मीन	मंगल	कर्क	16:36:09	23/08/2040	
चन्द्र	18/08/2025	04:44:54	मक व	बुध	सिंह	03:03:00	शनि	26/08/2024
मंगल	19/03/2026	12:27:37	मिथु व	गुरु व	मीन	00:32:01	बुध	06/05/2027
राहु	18/09/2027	01:56:02	कुंभ	शुक्र	सिंह	05:19:39	केतु	14/06/2028
गुरु	17/01/2029	14:08:58	वृष	शनि व	मेष	09:23:53	शुक्र	14/08/2031
शनि	18/08/2030	02:06:10	मिथु व	राहु व	सिंह	07:39:31	सूर्य	26/07/2032
बुध	17/01/2032	02:06:10	धनु व	केतु व	कुंभ	07:39:31	चन्द्र	25/02/2034
केतु	17/08/2032	00:38:53	कुंभ	हर्ष व	मक	15:40:58	मंगल	05/04/2035
शुक्र	18/04/2034	15:00:01	मक	नेप व	मक	05:52:38	राहु	09/02/2038
सूर्य	18/10/2034	23:18:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:34:51	गुरु	23/08/2040

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:11

लग्न-चलित

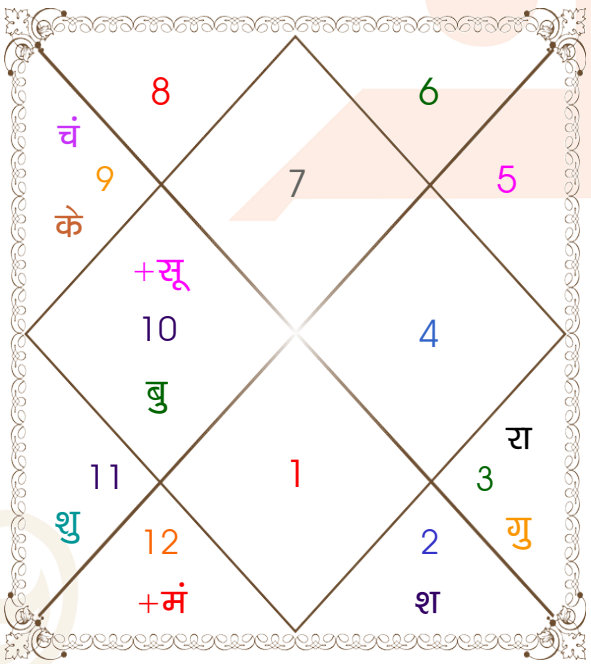

लग्न-चलित

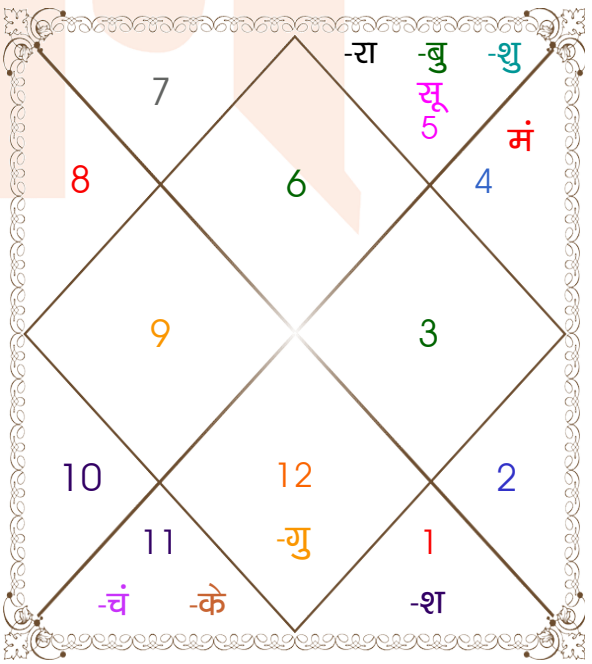

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

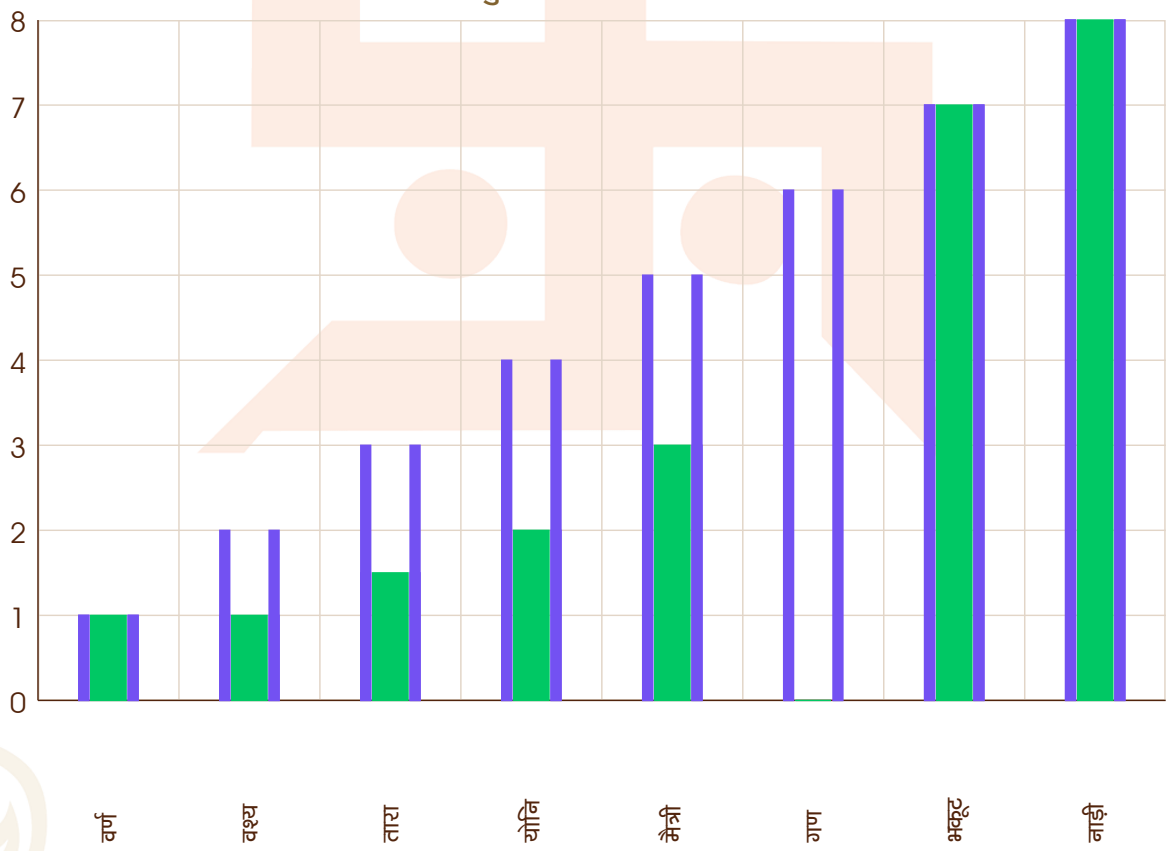

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Anurag srivastava का वर्ग मूषक है तथा Pragati का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anurag srivastava और Pragati का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Anurag srivastava मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Pragati मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Anurag srivastava तथा Pragati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Anurag srivastava का वर्ण क्षत्रिय तथा Pragati का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Pragati वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Anurag srivastava से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Anurag srivastava का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Pragati का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Anurag srivastava एवं Pragati एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Pragati क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Anurag srivastava की तारा साधक तथा Pragati की तारा प्रत्यरि है। Pragati की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Anurag srivastava एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Pragati का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Pragati के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Anurag srivastava अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Anurag srivastava की योनि वानर है तथा Pragati की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Anurag srivastava एवं Pragati दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Anurag srivastava का गण मनुष्य तथा Pragati का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Pragati का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Anurag srivastava एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Anurag srivastava से Pragati की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Pragati से Anurag srivastava की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Anurag srivastava अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Pragati सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Anurag srivastava की नाड़ी मध्य है तथा Pragati की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Anurag srivastava की राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Pragati की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Anurag srivastava और Pragati का दाम्पत्य संबध सामान्य रहेगा तथा वैवाहिक जीवन की शुभता बनी रहेगी। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

Anurag srivastava की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Pragati की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहयोग करने में तत्पर रहेंगे। Anurag srivastava और Pragati एक दूसरे की गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे पारिवारिक शांति बनी रहेगी।

Anurag srivastava और Pragati की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से Anurag srivastava और Pragati का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं संबधों में भी मधुरता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व तथा स्वतंत्रता का सम्मान करेंगे तथा अनावश्यक रूप से एक दूसरे के कार्यो में हस्तक्षेप नहीं करेंगे जिससे पारिवारिक शांति बनी रहेगी तथा सुखद क्षणों का उपभोग करने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदि Anurag srivastava और Pragati एक दूसरे के प्रति थोड़ी उदासीनता के भाव का त्याग करें तथा हार्दिक रूप से कार्य करें तो संबध एवं जीवन अत्यंत ही मधुर हो सकता है।

Anurag srivastava का वश्य चतुष्पद तथा Pragati का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः Anurag srivastava और Pragati की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सनतुषट रखने मे असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता मे न्यूनता आएगी।

Anurag srivastava का वर्ण क्षत्रिय तथा Pragati का वर्ण शूद्र है। अतः Anurag srivastava की प्रवृति पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु Pragati किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Anurag srivastava और Pragati की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Anurag srivastava और Pragati की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी

जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Pragati एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Anurag srivastava की नाड़ी मध्य तथा Pragati की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Anurag srivastava और Pragati का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Anurag srivastava और Pragati के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Pragati के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Pragati को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Pragati को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Anurag srivastava और Pragati सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Anurag srivastava और Pragati का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Pragati के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Pragati अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Pragati पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Pragati अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Anurag srivastava तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Anurag srivastava के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Anurag srivastava को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Anurag srivastava के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Anurag srivastava के प्रति अनुकूल ही रहेगा।